www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 05 | अंक – 02 | जौनपुर, शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया सावरकर से जुड़ा मानहानि का केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस और लखनऊ मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन रद्द कर दिया। यह कार्रवाई हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर पर उनकी टिप्पणियों को लेकर की गई थी। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए जरूरी मंजूरी नहीं दी थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने आदेश दिया, उत्तर प्रदेश राज्य (प्रतिवादी) द्वारा दाखिल हलफनामे में आरोपीध्अपीलकर्ता पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी दिए जाने का कोई जिक्र नहीं है। इस स्थिति को देखते हुए, मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश और शिकायत को रद्द किया जाता है। लखनऊ कोर्ट ने वकील नृपेंद्र पांडे की निजी शिकायत के बाद गांधी को समन भेजा था। पांडे का आरोप था कि 2022 में महाराष्ट्र में कांग्रेस नेता ने सावरकर को ध्अंग्रेजों का नौकरष् कहा था और दावा किया था कि उन्हें अंग्रेजों से पेंशन मिलती थी। गांधी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में इसे चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने 4 अप्रैल, 2024 को उनकी याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट गए। 25 अप्रैल को उनकी अपील पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उनकी टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। गांधी से कहा आप आजादी की लड़ाई लड़ने वालों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते... और चेतावनी दी।

जाम नगर हाउस, झंडेवालान बिल्डिंग समेत 6 जगहों पर बम की धमकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह सुरक्षा को लेकर चिंता का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यह धमकी एक ईमेल के जरिए मिली थी। भारत में 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पूरे शहर और देश के अन्य हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिसकर्मियों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया है, जबकि प्रवेश और निकास मार्गों पर अतिरिक्त जांच की जा रही है। सुरक्षा टीमें सार्वजनिक स्थानों और उन क्षेत्रों पर भी कड़ी नजर रख रही हैं जहां 15 अगस्त से पहले लोगों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। ये सुरक्षा उपाय राजधानी में स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले किए गए हैं। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे।

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि स्वतंत्रता दिवस पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक समय से प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

बाबरी के भक्त कभी भी बजरंग बली के भक्त नहीं हो सकते – सीएम योगी

अयोध्या , (संवाददाता)। स्वामी परमहंस रामचंद्र दास महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर अयोध्या के दिगंबर अखाड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा–कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी की बात कर सनातन पर निशाना साधने की कोशिश की जा रही है। ये लोग बजरंग बली के नहीं बाबरी के भक्त हैं और बाबरी का भक्त बजरंग बली का भक्त नहीं हो सकता है। बजरंग बली ऐसे कालनेमियों को आसानी से पहचान लेते हैं लेकिन बजरंग बली भक्तों को भी इन्हें पहचानने की सामर्थ्य विकसित करनी होगी। अयोध्या के बदलते स्वरूप का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री

ने कहा कि एक समय अयोध्या में श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाओं तक के लिए परेशान होना पड़ता था। राम की पैड़ी और सरयू के घाटों की बदहाली का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज की अयोध्या त्रेता युग की स्मृति कराती है। अब लगता है कि वास्तव में अयोध्या, अयोध्या है। योगी ने कहा कि अयोध्या सप्तपुरियों में प्रथम पुरी मानी जाती है। इसलिए उसका विकास केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि भौतिक रूप से भी उसी अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में कहीं भी अयोध्या का नाम सुनकर संतों और रामभक्तों को सम्मान मिलता है। यह श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में संतों के तप, साधना और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान संतों ने विषम परिस्थितियों में संघर्ष किया। इसकी कल्पना करना भी कठिन है। उन्होंने कहा कि यह हिंदुओं की त्रासदी रही है कि जब अयोध्या में प्रभु श्रीराम का राजतिलक होना चाहिए था, तब उन्हें वनवास भी दिया गया। दिगंबर अखाड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि राम जन्मभूमि, कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ तीन प्रमुख संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्मभूमि हमें मिले, काशी विश्वनाथ में नंदी की तपस्या पूरी हो और परमहंस का संकल्प भी पूरा हो।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की तबीयत बिगड़ी, एम्स में हुए भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को अस्वस्थ महसूस होने पर दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें 13 अगस्त की शाम को बेचैनी महसूस हुई थी। डॉक्टरों ने उनकी तत्काल जांच की, जिसमें हृदय संबंधी परीक्षण भी शामिल थे। मंत्री नड्डा को बेचैनी की शिकायत के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उनकी गहन जांच की। इस जांच प्रक्रिया में हृदय की नसों का एंजियोग्राफी टेस्ट भी शामिल था। यह परीक्षण हृदय की धमनियों की स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाता है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सभी आवश्यक चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। उनकी हालत अभी स्थिर बताई जा रही है, जो एक राहत की बात है। उन्हें एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में विशेष निगरानी में रखा गया है। उच्च पदस्थ अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली है। जेपी नड्डा को बेचैनी महसूस होने के तुरंत बाद एम्स लाया गया था। डॉक्टरों ने बिना किसी देरी के उनकी प्रारंभिक जांच शुरू की। हृदय की नसों की एंजियोग्राफी टेस्ट एक महत्वपूर्ण कदम था। यह टेस्ट यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि हृदय संबंधी कोई गंभीर समस्या न हो। चिकित्सा दल उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। उनकी सेहत को लेकर किसी भी तरह की चिंता को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री को एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया है।

पीएम मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर बंटवारे का दर्द झेलने वाले परिवारों के संघर्ष को नमन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त 1947 में हुए देश के विभाजन के पीड़ितों को शुक्रवार को याद किया। मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश के विभाजन के बाद हुए दंगों और बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापन के दौरान जान गंवाने वालों की स्मृति में 2021 से 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मना रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''आज हम 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रहे हैं। हम विभाजन से प्रभावित सभी लोगों के साहस को याद करते हैं। यह इतिहास का एक ऐसा क्षण था, जिसने कई जिंदगियां तबाह कर दीं–कई परिवार उजड़ गए, कई लोगों को अपनों को खोना पड़ा और लोगों ने अत्यधिक पीड़ा झेली।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस उथल–पुथल के बावजूद लोगों ने शून्य से अपना जीवन फिर खड़ा किया, विपरीत परिस्थितियों को उपलब्धियों में बदला और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इन लोगों का जीवन सभी को मानवीय जिजीविषा की शक्ति की याद दिलाता है।

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. अमित कुमार तिवारी
सहायक अभियंता
यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मेसर्स अगवाल एंटरप्राइजेज
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
प्रथम श्रेणी,
कान्टेक्टर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. पुनवासी राम
सहायक अभियंता
यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. सतेन्द्र कुमार पाण्डे
सहायक अभियंता
यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. अरुण सिंह राणा, अधिशासी
अभियंता सिंचाई
यांत्रिक विभाग
जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जूनियर इं अजीत कुमार नन्द,
सिंचाई विभाग
जौनपुर

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर और रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

डा. तपन चौधरी
जनरल फिजिशन
शहनवां,
अयोध्या

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जूनियर इं शेर सिंह विश्वकर्मा,
सिंचाई विभाग
जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

संतोष कुमार पाडेय
उप निबंधक सदर,
जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. मनोज कुमार भारतीय
सहायक अभियंता
यांत्रिक
सिंचाई विभाग
जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी कन्हैया लाल, सहायक
अभियंता सिंचाई
विभाग जौनपुर

किसान के लिए हुए अहम समझौते, शिवराज सिंह बोले – विपक्ष को इससे भी ऐतराज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को विपक्ष की आलोचना की, क्योंकि उन्होंने किसानों से जुड़े उन व्यापार समझौतों पर आपत्ति जताई थी जो दुनिया भर के देशों के साथ किए गए हैं। चंडीगढ़ में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन समझौतों में राष्ट्रीय हित, किसानों के कल्याण और जनहित को प्राथमिकता दी गई है। विपक्ष को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि मैं चंडीगढ़ की पवित्र धरती से यह कहना चाहता हूं कि किसानों के लिए दुनिया भर के देशों के साथ जो भी समझौते किए गए हैं, वे राष्ट्रीय हित, किसानों के हित और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए किए गए हैं। यह बहुत दुख की बात है कि विपक्ष को इससे भी समस्या है। उन्होंने विपक्ष के नेता के व्यवहार की भी निंदा करते हुए कहा कि कल सभी ने विपक्ष के नेता का व्यवहार देखा। एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के प्रधानमंत्री के लिए अनुचित भाषा का इस्तेमाल करके कांग्रेस ने दुनिया भर की महिलाओं का अपमान किया है। इस बीच, चौहान ने चंडीगढ़ में अपने सरकारी आवास पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ हुई सौहार्दपूर्ण मुलाकात के बारे में ग पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि आज चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर (मुख्यमंत्री आवास) में हरियाणा के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र 'देश की उपासना परिवार' की ओर से
सभी जौनपुर जनपदवासियों एवं प्रदेश वासियों तथा
देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

सम्पादक

संपादकीय

लाभ उठाने की रणनीति नाकाम

जिस समय देश में श्विश्व गुरुत्व बनने की खुशफहमी का आलम था, असल में भारत सरकार अवसरों का लाभ उठाने की कारगर रणनीति बनाने में नाकाम रही। दो बड़े थिंक टैंक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। दो थिंक टैंक इस समान निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 2018 के बाद वैश्विक समीकरणों में शुरू हुए तेज बदलाव से जो अवसर सामने आया, भारत उसका लाभ उठाने में विफल रहा। दरअसल, यह उस दौर की कथा है, जिसमें भारत के श्विश्व गुरुत्व बनने की कहानियों पर करोड़ों देशवासी यकीन किए हुए थे। लेकिन जिस समय ऐसी खुशफहमी का आलम था, असल में भारत सरकार अवसरों का लाभ उठाने की कारगर रणनीति बनाने में नाकाम रही। न्यूयॉर्क स्थित थिंक टैंक रोडियम ग्रुप ने श्क्या भारत अंततरू अपनी मैनुफैक्चरिंग महत्त्वाकांक्षाओं को हासिल कर सकेगाच्– शीर्षक से जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 2018 में जब अमेरिका और चीन में व्यापार जंग शुरू हुई, तो यह आम धारणा बनी कि चूंकि कंपनियां अपना कारोबार चीन से निकालकर दूसरे देशों में ले जाएंगी, तो भारत को इसका सबसे ज्यादा फायदा होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वियतनाम और मेक्सिको ने इस मामले में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। अमेरिका को चीन के निर्यात में आई गिरावट से खाली हुई जगह को उन्होंने प्रभावी ढंग से भरा। इससे इन देशों के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में ज्यादा मूल्य (वैल्यू) जुड़ा, जबकि भारत इस मामले में काफी पीछे रह गया है। रणनीतिक मामलों में ऐसे ही निष्कर्ष पर ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट पहुंचा है। उसके श्एशिया पावर इंडेक्सच्च के मुताबिक भारत अपनी विशाल क्षमताओं और संसाधनों के बावजूद एशिया में प्रभावशाली शक्ति या क्षेत्रीय ष्एंकरष (स्थिरता प्रदान करने वाली प्रमुख ताकत) नहीं बन पा रहा है। इंस्टीट्यूट के मुताबिक भारत के पास जितनी क्षमता, जनसंख्या, और संसाधन हैं, उनकी तुलना में उसका वास्तविक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बहुत कम है। भारत का क्षेत्रीय रक्षा गठबंधनों और व्यापारिक साझेदारियों में प्रभाव अन्य प्रमुख शक्तियों की तुलना में सीमित है, जिससे यह अपनी क्षमता का पूरा लाभ नहीं उठा पाया है। चीन से पश्चिम की प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर भारत से हमदर्दी रखने वाली विदेशी संस्थाएं ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचती हैं, तो उस पर भारतवासियों को ध्यान देना चाहिए। जब जवाबदेही का मुद्दा उठा है, इन नाकामियों के लिए कौन उत्तरदायी है, ये सवाल भी जरूर पूछा जाना चाहिए।

एक न्यायाधिकरण, जो अपने आप में पूर्ण है

गोपाल

हमारे सार्वजनिक अधिनियमों में न्यायाधिकरणों के गठन से जुड़े कुछ ही प्रश्न ऐसे हैं, जिनकी इतनी बार पुनर्समीक्षा हुई है। 1987 के एस. पी. संपत कुमार मामले से लेकर नवंबर 2025 में मद्रास बार एसोसिएशन से संबंधित निर्णय तक, न्यायालयों ने कानून निरस्त किये, निर्देश जारी किए और फिर उसी आधार पर स्वयं को नए कानूनों की समीक्षा करते हुए पाया। यह विषय इतने चक्र से गुजरा है, जो अपने आप में दर्शाता है कि समस्या कितनी कठिन रही है। न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 इसीलिए ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि उसने अंततरू वास्तविक समस्या की पहचान कर ली है और उम्मीद है कि समाधान भी खोज लिया है। यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। दूसरे देशों को भी इसका सामना करना पड़ा है और उनका निदान ध्यान देने योग्य है। ब्रिटेन में जब सर एंड्रयू लेगट ने 2001 में इस क्षेत्र की समीक्षा की, तो पाया कि सत्तर से अधिक न्यायाधिकरणों का प्रशासन उन्हीं विभागों द्वारा किया जा रहा था, जिनके निर्णयों की वे समीक्षा करते थे। उन्होंने इसे मूल दोष माना। उनका उपाय कार्यकाल में बदलाव या योग्यताओं को परिष्कृत करना नहीं था। उनका समाधान था कि न्यायाधिकरणों को उनके प्रायोजक विभागों से अलग कर उनका प्रशासन एकल सेवा के अधीन किया जाए। यही सुधार 2007 के अधिनियम का आधार बना। यह सुधार संरचनात्मक था। उसने निर्भरता के लक्षणों को नहीं, बल्कि निर्भरता की वजह का समाधान किया। भारत ने न्यायाधिकरणों की व्यवस्था को प्रारंभिक चरण में ही अपनाया और, कुल मिलाकर, यह सफल रही। 1941 में स्थापित आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण आज भी विशेषज्ञतापूर्ण न्यायनिर्णयन के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। इस प्रारूप को अनुच्छेद 323ए और 323बी तथा प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम, 1985 द्वारा आगे बढ़ाया गया और बाद में विभिन्न नियामक क्षेत्रों में उस उच्च स्तर पर इसका विस्तार हुआ, जिसे उच्च न्यायालय नहीं ले सकते थे। पर हमारी समस्या अलग तरह की थी। जैसा कि न्यायालय की 2020 की टिप्पणी में कहा गया कि स्वतंत्रता तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब न्यायाधिकरणों को अपने कार्य करने के लिए कार्यपालिका के कंधों का सहारा न लेना पड़े। पहले के प्रयासों से समस्या का समाधान क्यों नहीं हो सका इस बारे में सुधार एक से अधिक बार किए गए हैं और हर बार सच्ची भावना के साथ किए गए हैं। इसके बाद होने वाली अधिकांश मुकदमेबाजी इस बात को लेकर रही कि कार्यकाल तीन वर्ष का होना चाहिए या चार या पांच वर्ष का, न्यूनतम आयु पचास वर्ष होना स्वीकार्य है या नहीं, और एक नाम या दो नामों की समिति की सिफारिश होनी चाहिए। सम्मानपूर्वक कहना होगा कि इनमें से कोई भी बात मूल समस्या तक नहीं पहुंचती। स्वतंत्र न्यायाधिकरण अंकगणित पर निर्भर नहीं करते। कार्यकाल, आयु और नामों की संख्या वे लक्षण हैं जिनके माध्यम से रोग का निदान किया गया है। वे स्वयं बीमारी नहीं हैं। मूल बात मूल बात यह है कि न्यायाधिकरण एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर संस्था होनी चाहिए। उसका अपना प्रतिष्ठान होना चाहिए, अपने सदस्यों के चयन का उसका अपना साधन होना चाहिए, उन पर निगरानी रखने और उन्हें अनुशासित करने की अपनी व्यवस्था होनी चाहिए तथा परिसर, कर्मचारियों और धन की अपनी व्यवस्था होनी चाहिए। जहां ये सभी व्यवस्थाएं मौजूद हों, वहां स्वतंत्रता स्वाभाविक रूप से आ जाती हैं। नया विधेयक उन सभी बिंदुओं पर न्यायालय को उत्तर देता है, जिन पर न्यायालय अपनी बात कह चुका है। लेकिन इससे भी बढ़कर एक ऐसी संस्था स्थापित करने का प्रयास है जो उन उत्तरों को स्वयं लागू करने योग्य बना दे। राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग की स्थापना कानून द्वारा की जानी है। उसका अस्तित्व, गठन और कार्य किसी कार्यपालिका आदेश से नहीं, बल्कि अधिनियम से संचालित होंगे और उसे चयन, निगरानी, अनुशासन तथा न्यायाधिकरणों की आवश्यकताओं के आकलन का दायित्व है। उसके चारों ओर एक स्थायी पेशेवर सचिवालय स्थापित किया जाएगा। सर्वोच्चता, समान दूरी और नियंत्रण जो व्यवस्था को प्रभावी बनाते हैं विधेयक में उन प्रत्येक बिंदुओं पर न्यायिक सर्वोच्चता बनाए रखी गयी है, जहां उसका महत्व है। आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाएगी और उसमें न्यायिक बहुमत का प्रावधान है। समितियों की अध्यक्षता न्यायिक रूप से की जाती है तथा निर्णायक मत न्यायिक अध्यक्ष के पास ही होता है। चयन, निगरानी, अनुशासन और कार्य–प्रदर्शनकृसभी का नेतृत्व न्यायिक तौर पर किया जाता है। यह उस बात के अनुरूप है जो न्यायालय आर. गांधी मामले के बाद से कहता आया है कि कार्यपालिका, जो सबसे बड़ी वादी है, उन लोगों के चयन में प्रमुख भूमिका नहीं निभा सकती जो उसके मामलों का निर्णय करते हैं। इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण यह है कि सर्वोच्चता का अर्थ नियंत्रण नहीं है।

पीएम ने राम के मर्म को अयोध्या में समझाया, वो इंटरव्यूअर्स को समझ नहीं आया

अभिनय

जिन अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन किया था, उनमें से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कुछ उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया और बाद में उनका इंटरव्यू लिया गया। मीडिया में सामने आई खबरों के मुताबिक, इंटरव्यू के दौरान कुछ उम्मीदवारों से उनकी धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवनशैली से जुड़े सवाल पूछे जाने की बात कही जा रही हैकृजैसे कि वे जनेऊ पहनते हैं या नहीं, मांसाहारी भोजन करते हैं या नहीं और चोटी रखते हैं या नहीं। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सीईओ के चयन की प्रक्रिया ऐसे समय में चल रही है, जब मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित चोरी व हेराफेरी के आरोपों की जांच एक विशेष जांच दल द्वारा की जा रही है। 25 नवंबर 2025 के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में थे। राम मंदिर का ध्वजारोहण कार्यक्रम था। यही प्रधानमंत्री ने कहा हम सब जानते हैं कि हमारे राम भेद से नहीं भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं उसकी भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें वंश नहीं मूल्य प्रिय है। आज हम भी उसी भावना उसी आदर्श और उसी समर्थता के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। जहां श्रेष्ठता जन्म से नहीं चरित्र से तय होती है। प्रधानमंत्री ने राम का मर्म समझाया। उन्हीं राम के मंदिर के प्रबंधन के लिए बने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ पद की प्रक्रिया जारी है। जिसके लिए बीते दिनों इंटरव्यूज लिए गए। जिन अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन किया था, उनमें से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कुछ उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया और बाद में उनका इंटरव्यू लिया गया। मीडिया में सामने आई खबरों के मुताबिक, इंटरव्यू के दौरान कुछ उम्मीदवारों से उनकी धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवनशैली से जुड़े सवाल पूछे जाने की बात कही जा रही हैकृजैसे कि वे जनेऊ पहनते हैं या नहीं, मांसाहारी भोजन करते हैं या नहीं और चोटी रखते हैं या नहीं। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सीईओ के चयन की प्रक्रिया ऐसे समय में चल रही है, जब मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित चोरी व हेराफेरी के आरोपों की जांच एक विशेष जांच दल द्वारा की जा रही है। जांच 90 दिनों में पूरी होनी है और अगले महीने के आखिर तक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करनी है। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट 23 जून को जमा होने के बाद एफआईआर दर्ज की गई और आठ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। बाद में पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से कैश, सोना, चांदी और विदेशी करेंसी बरामद हुई है। जिसमें एक आरोपी के पास से 20.3 लाख रुपए भी शामिल है। खैर, अब आइए नए सीईओ के इंटरव्यू और उससे पूछे जाने वाले सवालों पर जो सिर्फ एक बजट प्रशासन या मंदिर के मैनेजमेंट तक सीमित नहीं रहे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार इंटरव्यू में कैंडिडेट से एक सवाल पूछा गया कि क्या आप कट्टर हिंदू हैं? इस सवाल से एक सवाल उठता है कि आखिर कट्टर हिंदू क्या होता है? इंटरव्यूअर्स को ही स्पष्ट करना चाहिए कि उनके हिसाब से कट्टर हिंदू की परिभाषा क्या होती है? क्या शर्तें हैं जो किसी को सिर्फ हिंदू से आगे बढ़कर कट्टर हिंदू बनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक इंटरव्यू में दूसरा सवाल पूछा गया कि आप नॉनवेज खाते हैं या नहीं? सूत्रों के मुताबिक, इंटरव्यू में भगवान राम के प्रति आस्था, समर्पण, रामानंदी परंपरा, मंदिर प्रबंधन और लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच क्राउड मैनेजमेंट से जुड़े सवाल पूछे गए। उम्मीदवारों से यह भी पूछा गया कि वे शिखा रखते हैं या नहीं और जनेऊ पहनते हैं या नहीं। शराब के सेवन और नॉनवेज खाने को

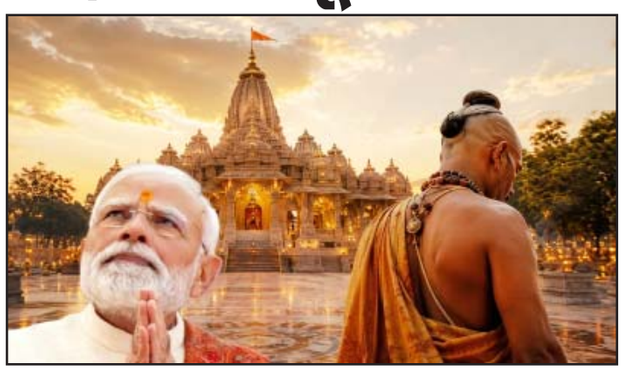

लेकर भी सवाल किए गए। दूसरे दिन 3 रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा पुलिस और सेना के रिटायर्ड अधिकारी भी इंटरव्यू के लिए पहुंचे। इनमें एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर भी शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, इंटरव्यू में चढ़ावा राशि की चोरी के मामले को लेकर कोई सवा सवाल नहीं पूछा गया। शिखर रखने और जनेऊ पहनने की परंपरा आमतौर पर ब्राह्मण जाति में ही है। सवाल है कि क्या अगर कोई कैंडिडेट जन्म से मिली जाति में ब्राह्मण नहीं हुआ तो उसे सीईओ नहीं बनाया जा सकता है? क्या फिर उसकी प्रशासनिक क्षमता को भी इग्नोर करके इस ओर ही ध्यान दिया जाएगा कि वह कट्टर हिंदू है या नहीं। नॉनवेज खाता है या नहीं खाता? शाक्य परंपरा के ब्राह्मणों का क्या होगा जो जनेऊ भी पहनते हैं, मांस भी खाते हैं। बता दें कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट क्षेत्र के लिए स्थाई सीईओ का सिलेक्शन प्रोसेस 11 अगस्त 2026 को शुरू हुआ। जिसमें पहले दिन 10 उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए आए। इन सभी को 10 अगस्त की देर रात अयोध्या बुलाया गया था। इस इंटरव्यू से पहले सभी उम्मीदवारों से एक ळववहसम फॉर्म भरवाया गया था। जिसमें उनके प्रशासनिक अनुभव के साथ–साथ धार्मिक मान्यताओं और निजी जीवन के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इंटरव्यू के दौरान पैनल के सदस्यों ने उनके सीवी को दी गई जानकारी को भी देखा और उनसे उनकी नापसंद लोगों के साथ घुलने मिलने की क्षमता और व्यवहार के बारे में सवाल पूछे। यह सब हो रहा है राम मंदिर के कथित चंदा चोरी का मामला सामने आने के बाद। पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश पांडेय का दूसरी बार साक्षात्कार लिया गया। साथ ही बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक परेश सक्सेना भी साक्षात्कार दे रहे है। सूत्रों ने कहा कि चयन समिति की ओर से 3 नामों को छांटे जाने की संभावना है जिसमें से अंतिम नियुक्ति ट्रस्ट की ओर से की जाएगी। राम मंदिर में चंदे के गबन के आरोपों के बाद पूर्णकालिक सीईओ की नियुक्ति करने का निर्णय लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस प्रमोद कोहली की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय चयन समिति में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हवारे शामिल है। इंटरव्यू देने वालों को मंदिर परिसर का दौरा भी कराया जा रहा है। 5 जनवरी 2024 को इंडिया टुडे में छपी सम्राट शर्मा की एक रिपोर्ट के मुताबिक नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 2019–21 के अनुसार भारत में 52.5% हिंदू पुरुष और 40.7% हिंदू महिलाएं नॉनवेज खाती हैं। लगभग आधी आबादी। जहां तक बात शिख और जनेऊ की है तो इसे लेकर भी सोशल इकोनॉमिक्स समझना जरूरी है। शिख हिंदू धर्म में ज्यादातर ब्राह्मण रखते हैं या फिर वो लोग जो दीक्षा लेने के लिए कहीं ना कहीं धार्मिक शास्त्रों की पढ़ाई करते हैं।

मंगल मिलन में तिरंगा और भागवत कथा

विकास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद को राजनैतिक प्रहसन के मंच में तब्दील करने में लगातार लगे हुए हैं। इन दिनों उन्होंने एक नया प्रहसन हर मंगलवार को करना शुरु किया है, एनडीए सांसदों के साथ मंगल मिलन। आजकल यह चलन खत्म हो गया है कि लेकिन पहले अखबारों में नवविवाहित जोड़े के लिए मंगल मिलन या मंगल परिणय या मंगलमय हो मिलन तुम्हारा इस तरह के शीर्षक के साथ विज्ञापन प्रकाशित होते थे और नवविवाहितों को बधाई, शुभकामनाएं, आशीर्वाद दिया जाता था। अब प्रधानमंत्री मोदी न जाने किसकी बधाई और शुभकामनाएं लेने के लिए मंगल मिलन कार्यक्रम आयोजित करते हैं। एनडीए के तमाम घटक दल भी बिना हूं–चूं किए इस मिलन समारोह का हिस्सा बनते हैं, मानो भाजपा की विचारधारा और सोच ही अब इन तमाम दलों ने अपना ली है और अपना स्वतंत्र वजूद खत्म कर लिया है। इस बार मंगलमिलन में प्रधानमंत्री ने तमाम सांसदों के हाथों में तिरंगा पकड़ा दिया, और खुद सबसे आगे घूम–घूम कर उस तिरंगे को लहराते दिखे। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान–3 की ऐतिहासिक सफलता मिली थी, उस समय मोदी दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे और इसरो के वैज्ञानिकों को उन्होंने बधाई दी थी, तब भी हाथ में तिरंगा लेकर वे उसे लहराते नजर आए थे।मंगलवार को ही अपने नए इंस्टाग्राम संदेश में नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से श्हर घर तिरंगाच्च अभियान को हर घर में उत्सव के रूप में मनाने की अपील की। मोदी ने अपने संदेश में कहा श्आइए, हर घर तिरंगा को हर घर में एक उत्सव बनाएं।श पाठक जानते हैं कि 2022 से ही श्हर घर तिरंगाश अभियान की शुरुआत मोदी सरकार ने की थी। भारत की आजादी के 75वें वर्ष जिसे आजादी का अमृत महोत्सव कहा गया, उस अवसर पर भाजपा सरकार ने देश भर में इस अभियान की शुरुआत की थी। 2022 से अब हर साल श्हर घर तिरंगाच्च अभियान पूरे अगस्त महीने में चलाया जाता है। लोगों को अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सरकार बताती है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के भीतर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गर्व और जुड़ाव की भावना को मजबूत करना भी है।हालांकि भाजपानीत मोदी सरकार के आने से पहले भी तिरंगा लहराना हमेशा ही गौरव का विषय रहता आया है। केंद्र में चाहे कांग्रेस सरकार रही हो या गैरकांग्रेस सरकार, तिरंगा कभी राजनीति करने का मकसद नहीं बना। न ही स्वतंत्रता सेनानियों पर मेरे या तेरे का ठप्पा लगाया गया। राजनैतिक दल एक–दूसरे से विचारधारा के आधार पर भिड़ते रहे, भ्रष्टाचार, दल–बदल आदि के नाम पर परस्पर उलझते रहे। मगर आजादी के महानायकों को अपनी लड़ाई का हिस्सा किसी ने नहीं बनाया, न ही तिरंगे पर अपना अधोषित दावा ठोंका।लेकिन मोदी सरकार में ऐसा ही हो रहा है। पहले सरदार पटेल पर अपना हक जताने के लिए नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में उनकी आकाश छूती प्रतिमा बनाई और 2014 से 31 अक्टूबर को उनकी जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने की शुरुआत की। भाजपा से सवाल किया जाना चाहिए कि क्या इससे पहले देश में एकता उन्हें नजर नहीं आ रही थी। पूर्वोत्तर, जम्मू–कश्मीर, पंजाब कई जगहों पर आजादी के बाद से अलगाववादी गतिविधियां पनपीं, जिनका फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों ने उठाने की कोशिश की, लेकिन तब भी बिना राष्ट्रीय एकता दिवस के ही राष्ट्र में एकता बनी रही। लेकिन मोदी सरकार में तथाकथित एकता के नाम पर कहीं मुसलमानों को पाकिस्तान जाने की घुड़कियां मिलती हैं, कहीं मणिपुर में जातीय संघर्ष की आग सुलगती है। इस समय अरुणाचल प्रदेश से लगातार खबरें आ रही हैं कि चीन वहां काफी आगे तक आकर अपना कब्जा जमा चुका है। एक युवक ने तो साफ कहा कि इंडिया को अब अलविदा कहना होगा, क्योंकि जल्द हम चीन का हिस्सा कहलाएंगे। विदेश मंत्रालय कह रहा है कि चीन का दावा स्वीकार्य नहीं है, लेकिन इतने संवेदनशील मसले पर खुद प्रधानमंत्री मोदी आकर देश को आश्वस्त क्यों नहीं करते कि अरुणाचल प्रदेश की सीमाओं से चीन को पूरी तरह दूर रखा जाएगा। इसके लिए भी एकाध इंस्टाग्राम रील बना देंगे तो उनका ही काम आसान होगा।लेकिन नरेन्द्र मोदी केवल मतलब साधने के लिए राष्ट्रवादी होने और दिखाने का आह्वान करते हैं, यह साफ नजर आ रहा है। इसलिए संसद सत्र में सदन में न जाकर वे एनडीए सांसदों के साथ तिरंगा लहरा रहे हैं। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे एनडीए के नहीं देश के प्रधानमंत्री हैं। 15 अगस्त को लालकिले पर चढ़कर वही तिरंगा फहराएंगे। इससे पहले उन्हें तिरंगा लहराने का मन था तो दोनों सदनों में जाते और सारे सांसदों को तिरंगा थमाते, यकीन है कि कोई भी तिरंगा थामने और उसे लहराने से इंकार तो नहीं करता। लेकिन ऐसा दिखाई दे रहा है कि मोदी तिरंगे को भाजपा के राजनैतिक लाभ और खोखले राष्ट्रवाद के मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिए चिंता होती है कि देश किन हाथों में है, जो राष्ट्रभक्ति का भी सौदा करने से हिचकते नहीं। नरेन्द्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के पीछे शायद यह कुंठा भी हो सकती है कि उनके राजनैतिक पुरखों यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठनों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों की मदद की और जब आजादी मिल गई तब भी तिरंगे की अवहेलना ही की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र श्द ऑर्गनाइजरच्च के जुलाई–अगस्त 1947 के संपादकीय और लेखों में तिरंगे को लेकर आपत्ति जताई गई थी। पत्र में लिखा गया था कि श्संख्या तीन अपने आप में एक बुराईध्अशुभ है और तीन रंगों वाला झंडा देश के लिए हानिकारक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करेगा। संघ ने तिरंगे के बजाय पारंपरिक श्भगवा ध्वजच्च को देश का राष्ट्रीय ध्वज बनाने की वकालत की थी। यह तथ्य है कि नागपुर में संघ मुख्यालय में आजादी के 52 सालों तक तिरंगा नहीं फहराया गया। 26 जनवरी 2001 को श्राष्ट्रप्रेमी युवा दलच्च के संस्थापक बाबा मेंढे और उनके साथियों ने संघ मुख्यालय पहुंचकर वहां तिरंगा फहराया था। तब संघ की शिकायत पर उन युवकों के खिलाफ अनधिकृत प्रवेश और अन्य धाराओं के तहत पुलिस में मामला दर्ज किया गया था। यह मामला लगभग 13 साल तक चला। अगस्त 2013 में नागपुर की एक अदालत (प्रथम श्रेणी न्यायाधीश आर. आर. लोहिया) ने तीनों आरोपियों बाबा मेंढे, रमेश कलंबे और दिलीप छत्तानी को बाइज्जत बरी कर दिया।

मक्का समझौता - बदलता शक्ति संतुलन और भारत की चुनौती

मिर्जा

बेग नई परिस्थितियों में भारत को यही बढ़त बनाए रखनी होगीकृशोर से नहीं, शक्ति और रणनीति से। ऊर्जा–सम्पदा है। विश्व बैंक के अनुसार 2025 में उसकी नॉमिनल जीडीपी करीब 1.28 ट्रिलियन डॉलर रही। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उसकी सैन्य क्षमता में निवेश की क्षमता। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में सऊदी अरब ने रक्षा पर लगभग 83.2 अरब डॉलर खर्च किए और वह दुनिया का आठवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा।तुर्किये इस गठजोड़ को सैन्य तकनीक, रक्षा उद्योग और युद्ध–अनुभव देता है। 2025 में उसका सैन्य व्यय करीब 30 अरब डॉलर था। ड्रोन, मिसाइल, बख्तरबंद वाहन, नौसैनिक प्लेटफॉर्म और स्वदेशी रक्षा उत्पादन में तुर्किये ने उल्लेखनीय क्षमता विकसित की है। उसका मध्य एशिया में बढ़ता राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव भी इस समीकरण को केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहने देता। तुर्किये लंबे समय से तुर्क भाषी मध्य एशियाई देशों के साथ परिवहन और व्यापार गलियारों के माध्यम से अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।तीसरा और सबसे संवेदनशील स्तंभ पाकिस्तान है। पाकिस्तान की आर्थिक क्षमता सऊदी अरब और तुर्किये की तुलना में बहुत छोटी हैकृ2025 में उसका सैन्य खर्च लगभग 11.9 अरब डॉलर थाकृलेकिन उसके पास परमाणु हथियार और बड़ा, युद्ध–अनुभवी सैन्य ढांचा है। स्वतंत्र विशेषज्ञ आकलन पाकिस्तान के परमाणु भंडार को लगभग 170 वारहेड मानते हैं। यानी समीकरण मोटे तौर पर ऐसा हैकृसऊदी अरब–पैसा और ऊर्जा, तुर्किये–रक्षा तकनीक और सैन्य औद्योगिक क्षमता, जबकि पाकिस्तान–परमाणु क्षमता और सैनिक अनुभव। यही इस गठजोड़ को साधारण द्विपक्षीय समझौते से अलग बनाता है।लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ा प्रश्न हैकृइसका असर कितना गंभीर है? भारत के लिए यह समझौता कोई खास चिंताजनक नहीं है, पर इसे हल्के में लेना भी भूल होगी। पाकिस्तान के साथ भारत का संघर्ष केवल सीमित सैन्य विवाद नहीं है। आतंकवाद, सीमा–पार घुसपैठ और कश्मीर सहित अनेक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक तनाव है। ऐसे में यदि पाकिस्तान को सऊदी वित्तीय समर्थन, तुर्की की उन्नत रक्षा तकनीक और एक औपचारिक सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था मिलती है तो इस्लामाबाद की सामरिक स्थिति निश्चित रूप से मजबूत हो सकती है। विशेष चिंता इस बात की है कि तुर्किये का जुड़ना पाकिस्तान को केवल पश्चिम एशिया की राजनीतिक छतरी नहीं देता, बल्कि भूमध्यसागर, काकेशस और मध्य एशिया तक फैले एक व्यापक नेटवर्क से जोड़ता है। भविष्य में रक्षा उत्पादन, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, खुफिया साझेदारी और सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ा तो इसका प्रभाव दक्षिण एशिया तक पहुंच सकता है। फिर भी इस गठजोड़ को तत्काल श्इस्लामिक एनएटीओश मान लेना अतिशयोक्ति होगी। समझौते में सामूहिक रक्षा की राजनीतिक प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है, लेकिन वास्तविक युद्ध की स्थिति में प्रत्येक देश किस स्तर तक सैन्य हस्तक्षेप करेगा, इसकी विस्तृत व्यावहारिक शर्तें अभी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं हैं। विशेषज्ञ संस्था आईआईएसएस ने भी पाकिस्तान–सऊदी समझौते के विवरण को अस्पष्ट बताते हुए उसके व्यापक क्षेत्रीय प्रभाव की संभावना पर जोर दिया था। भारत की रणनीति इसलिए प्रतिक्रिया–प्रधान नहीं, बल्कि बहुस्तरीय और दीर्घकालिक होनी चाहिए। पहला, सऊदी अरब से भारत के गहरे आर्थिक और ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करना होगा। भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पाकिस्तान के साथ सऊदी रणनीतिक संबंध भारत–सऊदी साझेदारी की कीमत पर न बढ़ें। दूसरा, तुर्किये के साथ संवाद के रास्ते खुले रखने चाहिए। मतभेदों के बावजूद अंकारा को पूरी तरह पाकिस्तान के खेमे में धकेल देना भारत के हित में नहीं होगा। व्यापार, निवेश और बहुपक्षीय मंचों पर संवाद जारी रखना आवश्यक है। तीसरा, मध्य एशिया में भारत को अपनी उपस्थिति कहीं अधिक मजबूत करनी होगी। कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान,

किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ संपर्क, ऊर्जा, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक संबंधों को प्राथमिकता देनी होगी। चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारा भारत के लिए केवल व्यापारिक परियोजनाएं नहीं, बल्कि सामरिक संपर्क के साधन भी हैं। चौथा, भारत को अपनी रक्षा आत्मनिर्भरता और समुद्री शक्ति पर और तेजी से काम करना होगा। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य व्यय 92.1 अरब डॉलर थाकृसऊदी, तुर्किये और पाकिस्तान के संयुक्त खर्च से अधिक। इसलिए चुनौती संसाधनों की कमी की नहीं, बल्कि संसाधनों के अधिक प्रभावी और तकनीकी उपयोग की है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि भारत को इस नए गठजोड़ को किसी धार्मिक ध्रुवीकरण के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या शत्रु से अधिक स्थायी होते हैंकृराष्ट्रीय हित। मक्का समझौता यदि नई सामरिक धुरी का आरंभ है तो भारत के लिए उसका उत्तर किसी जल्दबाजी या उत्तेजना में नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक पहुंच और क्षेत्रीय साझेदारियों को एक साथ मजबूत करने में है। भारत की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह आज केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और हिंद–प्रशांतकृतीनों को जोड़ने वाली एक उभरती वैश्विक शक्ति है।

चोरी की छह बाइक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, सभी बाइक बिना नंबर प्लेट की मिलीं

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कोतवाली पुलिस ने चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 600 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। बरामद सभी मोटरसाइकिलों पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। इनमें एक बाइक सदर अस्पताल के पास से चोरी की गई थी।मामले का खुलासा करते हुए सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बताया कि उपनिरीक्षक जयदीप कोल शुक्रवार की भोर पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की बाइक के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति राजासाहब पोखरे और रसूलाबाद मालगोदाम के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सुबह करीब 4:15 बजे घेराबंदी कर अतुल सोनकर उर्फ बुल्ला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर चोरी की कुल छह मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। बरामद बाइकों में 1 जून को सदर अस्पताल, जौनपुर के पास से चोरी हुई मोटरसाइकिल संख्या UP 62 CE 7187 भी शामिल है। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 600 रुपये नकद मिले।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अतुल सोनकर पुत्र स्व. दूधनाथ सोनकर, निवासी उमरपुर सुंदरनगर कॉलोनी गुलरचक, थाना कोतवाली, जौनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद अन्य मोटरसाइकिलों के संबंध में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है।

दलितों से नफरत करती है भाजपा - सीपी मित्तल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में हल्द्वानी में भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सभा मंच को अपवित्र कहकर गंगाजल से शुद्धीकरण किए जाने से आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को विरोध मार्च निकाल कर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव सीपी मित्तल ने कहा कि भाजपा दलितों सहित सभी समाज से नफरत करती है। दलितों पर अत्याचार, सामाजिक अन्याय, भेदभाव भाजपा और संघ की पुरानी नीति है। सीपी मित्तल ने कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मंच को जिस तरह संघ और कथित हिंदूवादी संगठनों ने भाजपा सरकार के इशारे और वह पर मंच को अपवित्र कहकर शुद्धीकरण किया गया उससे सम्पूर्ण दलित समाज और देश का शिक्षित वर्ग आहत हुआ है। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि देश का संविधान सबको बराबरी का अधिकार देता है किंतु भाजपा जातिवादी विष घोलकर देश को जातीय आधार पर बांटने का काम कर रही है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर गुरु गोपाल सिंह ने कहा कि भाजपा द्वारा किया गया यह भेद भाव किसी भी तरह स्वीकार नहीं है, सभ्य समाज और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जातिवादी कुकृत्य भाजपा का चुनावी हथकंडा बन गया है। विरोध मार्च का संचालन करते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि भाजपा का दलित विरोधी चेहरा बेनकाब हो चुका है, उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे इस देश के सबसे वरिष्ठ सांसद हैं, विभिन्न पद राजनैतिक पदों पर रहे हैं, उनका अपमान बर्दाश्त नही किया जायेगा। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष डा। संतोष गिरी, कृष्णचंद्र निषाद,चंद्रशेखर निषाद, संदीप निषाद, इरशाद खान, तिलकधारी निषाद, सभासद शहनवाज मंजूर, फैयाज हाशमी, दयाशंकर पटेल ,अखिलेश यादव,सुनीता देवी, रामआशीष यादव, अब्दुल रहीम अंसारी, सतीश चन्द्र निषाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

17 अगस्त से नए भवन में संचालित होंगी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कश्नलेज की कक्षाएं

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजा श्री कृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। महाविद्यालय की पुरानी जर्जर बिल्डिंग को गिराकर उसके स्थान पर 12 कमरों वाला तीन मंजिला नया भवन बनकर तैयार हो गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डा.) शंभू राम ने बताया कि 17 अगस्त 2026, सोमवार से कला वर्ग बी.ए. एवं एम.ए. की समस्त कक्षाएं अटाला मस्जिद के निकट स्थित नवनिर्मित भवन से संचालित की जाएंगी। प्राचार्य ने बताया कि नया भवन यूजीसी के मानकों के अनुसार निर्मित किया गया है। इसमें बड़े–बड़े कक्ष, सेमिनार हाल, स्मार्ट क्लास सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे , एवं छात्र–छात्राओं के लिए शौचालय जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि नए भवन के तैयार होने से कक्षाओं का सुव्यवस्थित संचालन संभव होगा और विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर एवं आधुनिक वातावरण मिलेगा। इससे शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. सत्य राम प्रजापति ने समस्त छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए नए भवन में कक्षाओं के सुचारू संचालन हेतु सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि 17 अगस्त से नए भवन में कक्षाएं शुरू होने के साथ महाविद्यालय परिसर में एक नए अध्याय का शुभारंभ होगा। नए भवन के तैयार होने से छात्र–छात्राओं में खुशी का माहौल है। सभी को उम्मीद है कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन में उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा। उक्त जानकारी जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सुधाकर शुक्ल में दिया ।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत निकली भव्य तिरंगा बाइक रैली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत जनपद में तिरंगा बाइक रैली का भव्य आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ माननीय राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव एवं माननीय विधान परिषद सदस्य श्री बृजेश सिंह 'प्रिंसु' ने मुख्य विकास अधिकारी श्री ध्रुव खड़िया की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया। तिरंगा बाइक रैली में परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक–अध्यापिकाओं सहित आम जनमानस ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हेलमेट पहनकर यातायात नियमों के पालन एवं स्वयं की सुरक्षा का संदेश दिया। शिक्षकों ने तिरंगा स्कूटी एवं बाइक पर हाथों में राष्ट्रध्वज लेकर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया तथा वीर शहीदों को नमन करते हुए 'भारत माता की जय' के जयघोष किए। राष्ट्रप्रेम के नारों से पूरे मार्ग का वातावरण देशभक्ति से ओत–प्रोत हो गया। रैली के समापन अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव एवं विधान परिषद सदस्य श्री बृजेश सिंह 'प्रिंसु' ने कलेक्ट्रेट स्थित विकास भवन के समीप क्रांति स्तंभ पर पुष्प अर्पित किए तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि शासन के निर्देश पर संपूर्ण प्रदेश में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद में तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों की देशभक्ति, त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन करना तथा नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और उनके बलिदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्हीं के संघर्ष और त्याग के कारण हमारा देश स्वतंत्र हुआ। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि शासन की मंशा के अनुरूप 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़–चढ़कर भागीदारी करें और राष्ट्रध्वज का सम्मान बनाए रखें। विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसु' ने कहा कि तिरंगे की आन, बान और शान की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को तिरंगा सम्मान के साथ अपने घर पर लगाने के साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि राष्ट्रध्वज को उतारने के बाद सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक रखा जाए। उन्होंने कहा कि तिरंगा बाइक रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आम जनमानस में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक मजबूत करना है। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिलाधिकारी महोदय के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने तिरंगा बाइक रैली में शामिल बेसिक शिक्षा विभाग के अध्यापक–अध्यापिकाओं, मीडिया बंधुओं, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पुलिस प्रशासन एवं आम जनमानस के प्रति आभार व्यक्त किया। भव्य तिरंगा बाइक रैली ने जनपद में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, यातायात नियमों के पालन तथा शहीदों के सम्मान का सशक्त संदेश दिया।

छावनी परिषद द्वारा आयोजित तिरंगा रैली का भव्य शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। छावनी परिषद लखनऊ द्वारा देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिकक सहभागिता की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से आयो जित षतिरंगा रैलीष का आज भव्य शुभारंभ मख्य अतिथि प्रधान निदेशक, श्रीमती भावना सिंह जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यहह संपूर्ण कार्यकम छावनी परिषद लखनऊ के मुख्य अधिशासी अधिकारी श्री अभिषेक राठौर जी के मार्गदर्शन एवं छायादृष्टि में आयोजित किया गया, जिनके निर्देशन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं, सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर प्रधान निदेशालय कार्यालय के अनेक वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें निदेशक श्री पुष्पेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक श्री अमित कुमार, संयुक्त निदेशक श्री हरेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक श्री महेश सैनी, रक्षा संपदा अधिकारी श्रीमती प्रोमिला जायसवाल एवं उप निदेशक श्री उमेश कुमार पारिक सहित छावनी परिषद लखनऊ के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छावनी परिषद, लखनऊ के नामित सदस्य श्री प्रमोद शर्मा, एवं पूर्व सदस्य श्री अशफाक कुरैशी, श्री अमित शुक्ला, श्रीमती रंजीता शर्मा, श्रीमती रूपा देवी, सहित श्री विकास यादव समाजसेवी, श्री सतवीर सिंह राजू, अध्यक्ष व्यापार मंडल तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी सहभागिता की। रैली में छावनी परिषद लखनऊ के लगभग 300 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, जन–जागरूकता एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यकम में छावनी परिषद के समस्त कर्मचारियां की सकिय सहभागिता की भावना को जन–जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

तिरंगा और मेरा कवि विद्रोही-

जबतक भारत में बेंच पसीना कोई भूखा–नंगा है जबतक भारत में धर्म–जाति के नाम भड़कता दंगा है जबतक भारत का सम्विधान सत्ता के खड़ा कटघरे में कवि कैसे लिख दे लालकिला अपना आजाद तिरंगा है

जबतक वोटों के क्रय–विक्रय से तय होते कुर्सी के कद तबतक आत्मा लोकतन्त्री मुस्कान अधर क्या लाएगी? जबतक मतदाता से कटकर तुम सुख–सुविधाओं के पीछे तबतक विद्रोही वाणी केवल गीत क्रान्ति के गाएगी। गांधी के बन्दर राजघाट के पण्डों कान खोल सुन लो दिन दूर नहीं वह जब जनता संसद तक चढ़कर आएगी यौवन के उर में आक्रोश का ज्वार कभी यदि उमड़ा तो कुर्सी की लालच राम नाम है सत्य यही दुहराएगी फिर कोठी एसी कार और लालसा तुम्हारी सत्ता की संसद से खींच–खींच तुमको फिर सड़कों पर दौड़ाएगी। जबतक मतदाता से कटकर तुम सुख–सुविधाओं के पीछे तबतक विद्रोही वाणी केवल गीत क्रान्ति के गाएगी।

कहीं मॉल तो कहीं होटल, सरकारी विभागों का भी कब्जा, अरबों रुपये की संपत्ति से मोटी कमाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की अधिकतर शत्रु संपत्तियां अवैध कब्जों में फंसी हुई हैं। एनसीआर से पूर्वांचल तक अरबों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा कर मोटी कमाई की जा रही है। एनसीआर के कई जिलों में मॉल, होटल तक बन गए हैं। कई सरकारी विभाग भी इन संपत्तियों पर कब्जा कर इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसी संपत्तियों को खाली कराना शत्रु संपत्ति अभिरक्षा कार्यालय के लिए बड़ी चुनौती है। लखनऊ अभिरक्षा कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, यूपी उत्तराखंड में करीब 5600 शत्रु संपत्तियां हैं। इनमें से लगभग 70 संपत्तियां उत्तराखंड में हैं, बाकी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हैं। कार्यालय लगातार अपनी संपत्तियों का चिह्नीकरण और वर्तमान स्थिति का सत्यापन करवाता रहता है। सूत्रों के मुताबिक, सत्यापन रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि गाजियाबाद और नोएडा की शत्रु संपत्तियों पर मॉल बन चुके हैं। यहीं पर तीन होटल भी चल रहे हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हाईराइज बिल्डिंगों का निर्माण भी किया गया है। इन पर कब्जा करने वाले काफी शक्तिशाली लोग हैं। उनकी पहुंच प्रदेश और केंद्र सरकार के बड़े नेताओं तक है। अभिरक्षा कार्यालय से पहले इनको नोटिस भेजे गए और फिर मामला कोर्ट में चला गया। जहां केस चल रहा है। राजधानी के दुबग्गा में पूरी बस्ती शत्रु संपत्ति पर बसा दी गई है। वहीं सरोजनीनगर समेत अन्य कई इलाकों में अरबों रुपये की शत्रु संपत्तियों पर कब्जे हैं। प्रदेश में तमाम संपत्तियों पर लोग खेती भी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन उनको नोटिस भेजकर खाली करने का निर्देश दे रहे हैं। अभिरक्षा कार्यालय की तरफ से कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दो नामी बिल्डरों ने करोड़ों की शत्रु संपत्ति अपने प्रोजेक्ट में शामिल कर ली थी। बीते पांच–छह महीने से मामला चल रहा था। कुछ दिन पहले ही इन संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराया गया है। इसी तरह से बदायूं में अजन्ता होटल भी सील किया गया है जो शत्रु संपत्ति पर कब्जा कर बनाया गया था। प्राधिकरण ने ही बसा दी कॉलोनीरू इन हाईराइज बिल्डिंगों में से कुछ का इस्तेमाल वाणिज्यिक और कुछ का आवासीय हो रहा है। सूत्रों के अनुसार इलाहाबाद विकास प्राधिकरण ने भी कुछ शत्रु संपत्तियों पर कॉलोनी बनाई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर नगरवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं और आपसे पालिका निम्नलिखित अपील करती है।

1.गृहकर ,जलकर व जलमूल्य का भुगतानं 31 मार्च 2027 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठाएं

2 दुकानो, होटलों, रेस्टोरेस्ट, नार्सिंग होम, हॉस्पिटल पर देय किराया व लाईसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।

3– अपने–अपने घरो से निकलने वाले दैनिक कूड़ो को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेंके इधर–उधर तितर–वित्तर न करें। झाड़ू लगने के पश्चात कूडा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फेंके अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।

4.सड़क पटरियों, नालियों व नाली पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।

5. पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।

6.जन्म–मृत्यु का पजीकरण 21 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य करायें।

7– अपने घरों के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोडकर पेयजल का अपव्यय न करें। खुली टोटी पाए जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

8 नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचायें।

9 प्रतिबन्धित पॉलिथिन थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंझे के खरीद, बिक्री, स्टोरेज व उपयोग वर्जित है. इसका उपयोग कदापि न करे, यह गम्भीर अपराध है पकड़े जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।

10. देय करो व गृह कर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा आनलाईन करें

11– डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में नगर पालिका कर्मियों का सहयोग करें।

12– शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कदापि न करें इससे बिमारी फैलती है।

(मनोरमा मौर्या)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

समस्त मान्य सभासद
नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, जौनपुर

बीबीएयू में प्रोटोटाइप विकास और सत्यापन पर द्विदिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के संरक्षण में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की ओर से 'प्रोटोटाइप डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन क्लीनिक' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय कार्यशाला का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस अवसर पर इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ के साइंटिस्ट जी डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव, प्रो. बाल चंद्र यादव, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो. शिशिर कुमार और कार्यक्रम संयोजक डॉ. जीवन सिंह मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रो. बाल चंद्र यादव ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम संयोजक डॉ. जीवन सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्य और रूपरेखा की जानकारी दी।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि देश के बजट निर्माण में सरकार शोध एवं विकास के क्षेत्र को विशेष महत्व दे रही है और अनुसंधान एवं विकास से जुड़े क्षेत्रों में निवेश तथा बजट में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में वित्तीय सहयोग का बड़ा हिस्सा अभी भी सार्वजनिक क्षेत्र से प्राप्त होता है। ऐसे में शोध एवं नवाचार को समाज और उद्योग की जरूरतों से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़े उपभोक्ता के रूप में उभरा है, लेकिन अब देश को केवल उपभोक्ता बने रहने के बजाय उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। इसके लिए ऐसे नए उत्पादों और तकनीकों का विकास जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

लोनी में ए.के. शर्मा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर के साथ खन्ना नगर, लोनी में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम के नारों से गूंजता रहा।इस अवसर पर ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के गौरव, सम्मान और स्वाभिमान को नई ऊंचाई देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। तिरंगा अब केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि जन–जन की भावना और राष्ट्रभक्ति का जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सम्मान देते हुए सरकार सबका विकास और सबकी समृद्धि के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।विपक्ष पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास विकास का कोई स्पष्ट एजेंडा नहीं है और वह केवल विरोध की राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सम्मान और तिरंगे के प्रति प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे। राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यदि उन्हें देश के विश्वविद्यालयों और युवाओं से इतना ही लगाव था तो उन्होंने विदेश में पढ़ाई क्यों की। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग यदि गांव, गरीब और आम परिवारों के बच्चों के संघर्ष को करीब से समझते तो छात्रों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझ पाते।शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय प्रयागराज स्थित लोक सेवा आयोग जैसी संस्थाओं में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के आरोप सामने आते रहे, जबकि वर्तमान सरकार में पारदर्शिता और सुशासन को प्राथमिकता दी जा रही है।

संविदा कर्मचारियों के धरना–प्रदर्शन से पहले पावर कॉ रपोरेशन सतर्क

लखनऊ, (संवाददाता)। विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश की ओर से आज प्रदेश के सभी जिलों में प्रस्तावित सत्याग्रह और धरना–प्रदर्शन को देखते हुए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सभी विद्युत वितरण निगमों और केस्को को बिजली आपूर्ति हर स्थिति में सामान्य बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। कॉरपोरेशन ने विद्युत केंद्रों, संयंत्रों और अपनी संपत्तियों के साथ कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर जिला और पुलिस प्रशासन से सहयोग लेने को कहा है।पावर कॉरपोरेशन के निदेशक (कार्मिक, प्रशासन एवं औद्योगिक संबंध) डॉ. जॉन मथाई की ओर से 10 अगस्त को जारी पत्र में पूर्वांचल, पश्चिमांचल, दक्षिणांचल और मध्यांचल विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा केस्को को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ ने विभिन्न मांगों को लेकर 13 अगस्त को प्रदेश के सभी जनपदों में सत्याग्रह और धरना–प्रदर्शन करने का नोटिस दिया है।कॉरपोरेशन ने शासन के 27 मई 2026 के आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न निगमों में उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम, 1966 की धारा 3 की उपधारा (1) के तहत छह माह के लिए हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में कॉरपोरेशन की ओर से 8 जून को सभी प्रबंध निदेशकों और संबंधित अधिकारियों को भी अवगत कराया जा चुका है।

कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, मेडिकल कॉलेज में भर्ती

गोरखपुर, (संवाददाता)। सुबह राजकीय इंटर कॉलेज से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें करीब ढाई हजार बच्चे विभिन्न स्कूलों से शामिल हुए। यात्रा के बाद बच्चे अपने–अपने विद्यालय चले गए। इसी में राज की कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज की छात्राएं भी शामिल थी। इन छात्राओं का समूह जैसे ही वापस अपने विद्यालय पहुंचा। बड़ी संख्या में छात्राएं बीमार हो गई। स्कूल प्रशासन ने छात्राओं को इमरजेंसी पहुंचाया। वहां पर छात्राओं का इलाज किया गया। सूचना पर कॉलेज प्रशासन में वार्ड ओपीडी समेत हर जगह से मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ को इमरजेंसी बुला लिया। विज्ञापन मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ रजनी सीएमएस डॉक्टर क मिश्रा प्रभारी अधीक्षक डॉ अजीत पाल समेत करीब 50 डॉक्टर इमरजेंसी पहुंच गए। सभी ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया। 3:00 तक आधे से अधिक छात्राओं को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया।

पैडलेगंज से देवरिया बाईपास तक सिक्सलेन पर लगा जाम, एक घंटे तक फंसे वाहन

गोरखपुर, (संवाददाता)। पैडलेगंज से लेकर देवरिया बाईपास तक बृहस्पतिवार की शाम सिक्सलेन सड़क पर भीषण जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चौराहे पर चारों तरफ से वाहनों के पहुंचने के कारण स्थिति और बिगड़ गई। जाम में फंसे लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी अधिक समय लगा। सिक्सलेन पर जाम का असर टीपी नगर क्षेत्र तक भी दिखाई दिया। सिक्सलेन से उतरने के बाद टीपी नगर में वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क पर यातायात का दबाव बढ़ने के कारण वाहन रेंगते रहे। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। दरसअल, डिवाइडर पर कट बंद होने की वजह से वाहन चालकों को आने–जाने में दिक्कत हुई। कई स्थानों पर वाहन चालकों को अपनी मंजिल तक पहुंचने में लंबा रास्ता तय करना पड़ा। इससे मुख्य मार्ग पर वाहनों का दबाव और बढ़ गया। जाम में फंसे बाइक सवारों को करीब 40 मिनट में रास्ता पार करने में समय लगा। चारपहिया वाहन चालकों को करीब एक घंटे तक जाम से जूझना पड़ा। जाम के कारण कई लोगों को निर्धारित समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई। कुछ वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों की तलाश करते नजर आए।

गोरखपुर से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की मांग

गोरखपुर, (संवाददाता)। राज्यसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर गोरखपुर से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की मांग की। रेलमंत्री ने नई रैक उपलब्ध होने के बाद इस प्रस्ताव पर विचार करने का आश्वासन दिया है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग दिल्ली की यात्रा करते हैं। गोरखधाम, वैशाली एक्सप्रेस और संपर्क क्रांति जैसी ट्रेनों के बावजूद यात्रियों की भीड़ रहती है। आरक्षित सीट नहीं मिलने के कारण कई यात्रियों को अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ती है।

एम्स में रोबोटिक तकनीक से अब घुटना-कूल्हा प्रत्यारोपण

गोरखपुर, (संवाददाता)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अब घुटने और कूल्हे के प्रत्यारोपण की सर्जरी रोबोटिक तकनीक से की जा सकेगी। संस्थान के हड्डी रोग विभाग ने इस सुविधा की शुरुआत करते हुए पहला रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट ऑपरेशन किया। सर्जरी हड्डी रोग विभागाध्यक्ष प्रो. अजय भारती के नेतृत्व में हुई। एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. विजेता वाजपेयी का भी इसमें विशेष योगदान रहा। एम्स में फिलहाल रोबोटिक सर्जरी की सुविधा माको, स्ट्राइकर, वेलिस और डीप्यू सिंथेस के सहयोग से उपलब्ध कराई जा रही है। दोनों रोबोटिक प्रणालियां आठ अगस्त को आयोजित सीएमई ऑन रोबोटिक्स के दौरान संबंधित कंपनियों की ओर से प्रदर्शन के लिए संस्थान को उपलब्ध कराई गई थीं। वहीं, एम्स अपना स्थायी रोबोटिक सिस्टम खरीदने के लिए भी प्रयासरत है। संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता के नेतृत्व और मार्गदर्शन में शुरू हुई इस सुविधा को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उन्होंने रोबोटिक तकनीक की उपलब्धता को उन्नत चिकित्सा सेवाओं की ओर बढ़ता महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। प्रो. अजय भारती ने बताया कि रोबोटिक तकनीक से घुटने और कूल्हे की जटिल सर्जरी की बेहतर योजना बनाने के साथ ऑपरेशन में अधिक सटीकता हासिल करने का प्रयास किया जाता है। इसका उद्देश्य मरीजों को आधुनिक तकनीक का लाभ उपलब्ध कराना है। सुविधा शुरू होने से पूर्वांचल और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए दिल्ली, लखनऊ या अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

बिजली का करंट सिर के ऊपर निगम की नजर सिर्फ जमीन पर

भदोही, (संवाददाता)। जिले में घरों के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन बिजली के तार किसी बड़े खतरे का आमंत्रण दे रहे हैं। कई हादसों के बाद भी बिजली निगम के अफसर संजीदा नहीं हैं। अब भी शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में खतरा बरकरार है। शिकायतें विभागीय कार्यालयों में धूल फांक रही हैं, जबकि पीड़ित समस्या दूर होने का इंतजार कर रहे हैं। जिले में भदोही और ज्ञानपुर डिविजन से जुड़े 29 उपकेंद्र और 98 फीडरों से दो लाख 45 हजार उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जाती है। बृहस्पतिवार को हमारी टीम ने भदोही, घोसियां, गोपीगंज और जंगीगंज बाजार में पड़ताल की तो कई स्थानों पर 440 और 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार छतों से सटकर या ऊपर से गुजरते मिले। ये तार छत से सिर्फ दो से ढाई फीट ऊपर से ही गुजरे हैं। अगर मकान मालिक ध्यान न दे तो बड़ा हादसा हो सकता है। उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति की सुविधा के लिए शासन की तरफ से हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर खंभे, जर्जर तार आदि बदले जाते हैं, लेकिन शहरी क्षेत्रों में छतों के ऊपर से गुजरे तारों को हटाने की जहमत निगम नहीं उठा रहा है। इससे यह समस्या दिन–ब–दिन जटिल होती जा रही है। बारिश के सीजन में ऐसे तार जानलेवा साबित हो सकते हैं। 10 अगस्त 2026 रू औराई गांव में छत के ऊपर सफाई करते समय हाईटेंशन तार की चपेट में आने से गाजीपुर के सफाईकर्मी अवधेश की मौत हो गई, जबकि उसका साथी झुलस गया था। गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के दानीपट्टी गांव में टेंट खोलते समय हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से 25 वर्षीय धर्मेंद्र यादव की मौत हो गई थी। रू गोपीगंज के माधोपुर में घर के समीप सहजन तोड़ते समय 15 साल का आयुष हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलस गया। उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ।

संक्षिप्त खबरें

गोरखपुर मंडल की बालिका बॉक्सिंग टीम बनी उपविजेता

गोरखपुर, (संवाददाता)। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोरखपुर मंडल की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंडल को प्रदेश में उपविजेता का खिताब दिलाया। खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में पदक जीतकर गोरखपुर का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के 46 किग्रा भार वर्ग में निशु सिंह ने स्वर्ण, 48 किग्रा में तेजस्वनी गुप्त ने रजत, 54 किग्रा में ममता ने स्वर्ण पदक जीता। 57 किग्रा में सरिता गोंड, 60 किग्रा में सपना कुशवाहा, 63 किग्रा में संजना सिंह, 66 किग्रा में वेदिका त्रिपाठी, 70 किग्रा में नंदनी और 80 किग्रा में आराध्या शर्मा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 75 किग्रा भार वर्ग में जागृति त्रिपाठी और 80 प्लस किग्रा में सुहाना ने रजत पदक हासिल किया। खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय बॉक्सिंग प्रशिक्षक सुजीत गौतम के मार्गदर्शन को दिया गया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर, बॉक्सिंग सचिव हनुमान प्रसाद, अध्यक्ष डॉ. राजेश नायक, खेल प्रशिक्षक नफीस अहमद, सीमा विश्वकर्मा, अशोक शाही, बृजेश यादव, चंद्रेश पटेल, विकास पटेल, विवेक श्रीवास्तव आदि ने बधाई दी।

जिला स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन में नौ खिलाड़ी चयनित

भदोही, (संवाददाता)। जिला स्टेडियम मूंसीलाटपुर में बृहस्पतिवार को जिला स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन–ट्रायल्स का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इसमें नौ खिलाड़ियों का चयन मंडलीय स्तर के ट्रायल्स के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ियों में बैडमिंटन में सीडीओ बाल गोविंद शुक्ला, वरिष्ठ कोषाधिकारी बृजेश सिंह संग विजय प्रकाश मौर्य, अनिरुद्ध कुमार, अवनीश कुमार, धीरंजन कुमार, संतोष कुमार मौर्य, पूजा कुमारी, आस्था सिंह शामिल रहीं। उप क्रीड़ा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि चयनित सभी खिलाड़ियों को अब 18 एवं 19 अगस्त को मंडलीय चयनध्ट्रायल्स में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा।

सीएचसी होलागढ़ में जलभराव देख नाराज हुए मंडलायुक्त

प्रयागराज, (संवाददाता)। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होलागढ़ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, भवन की स्थिति, साफ–सफाई और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं और स्वच्छता का स्तर संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने सीएचसी के मुख्य प्रवेश द्वार को बेहतर बनाने, पूरे परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और आयुर्वेदिक एवं हर्बल गार्डन विकसित करने के निर्देश दिए। जिन कमरों में सीलन और टूटे–फूटे फर्नीचर मिले, वहां मरम्मत कराने या जरूरत के अनुसार फर्नीचर बदलने को कहा गया। गंदे वॉशबेसिन की सफाई और मरम्मत के साथ भवन की स्थिति सुधारने के लिए क्षेत्रीय पंचायत से अनुदान लेने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के बाहर जलभराव मिलने पर मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित एसडीएम और बीडीओ को तत्काल पानी हटवाने के साथ स्थायी जल निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव से मच्छरों के पनपने और डेंगू समेत अन्य वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। मंडलायुक्त ने हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की ऐप के माध्यम से हो रही ट्रैकिंग की जानकारी भी ली। उन्होंने चिन्हित गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी और फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गोरखपुर मंडल की बालिका बॉक्सिंग टीम बनी उपविजेता

गोरखपुर, (संवाददाता)। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोरखपुर मंडल की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंडल को प्रदेश में उपविजेता का खिताब दिलाया। खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गोंमेंपदक जीतकर गोरखपुर का नाम रोशन किया। निशु सिंह ने स्वर्ण, 48 किग्रा में तेजस्वनी गुप्त ने रजत, 54 किग्रा में ममता ने स्वर्ण पदक जीता।

सपा वोट बैंक के लिए दुश्मनों का साथ देती है– केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज, (संवाददाता)। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। मौर्य ने याद दिलाया कि पूर्ववर्ती सपा सरकार ने सिमी जैसे आतंकी संगठन के मुकदमे वापस लेने का प्रयास किया था, जिसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रोक दिया था। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोकसभा के मानसून सत्र में संसद की कार्यवाही बाधित होने पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडीश गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की जनता विपक्ष के चरित्र को अच्छी तरह पहचान चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहता, जिसके कारण कई महत्वपूर्ण विधेयक बिना बहस के ही पारित हो गए।

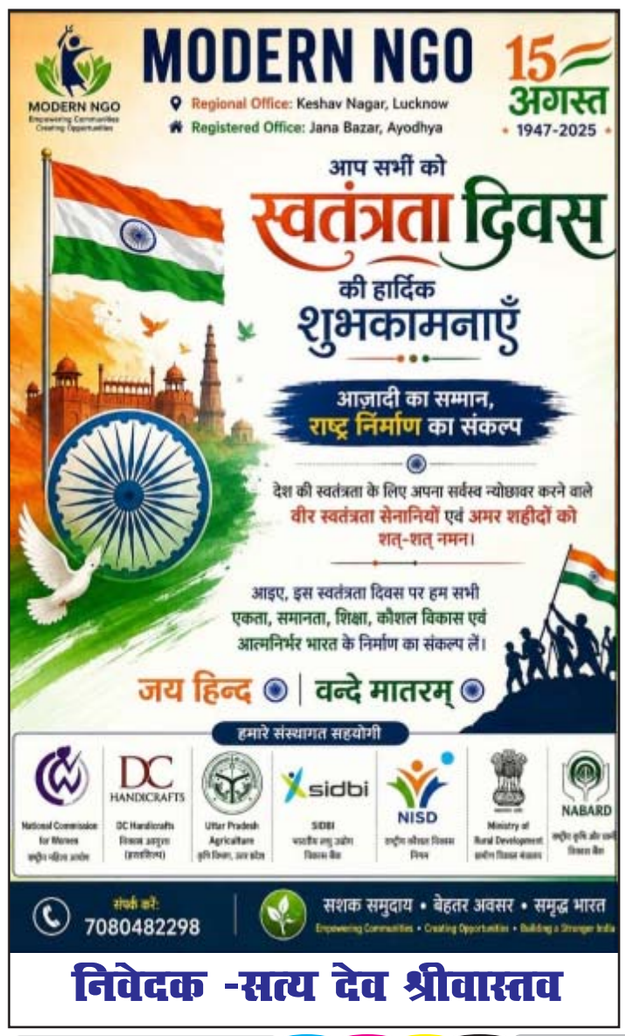

निवेदक -सत्य देव श्रीवास्तव

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

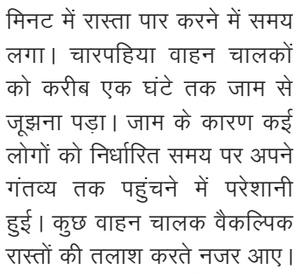

शिक्षोन्नयन संस्थान
परिवार डा. सुशील चंद त्रिवेदी मधुपेश प्रबन्धक
अल्लीपुर, हरदोई उ0प्र0
मो0 9452079330

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव
स.अ.प्रा.वि.कबूलपुरध्नोडल
शिक्षक संकुल नेहरूनगर सिरकोनी जौनपुर
उपाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ सिरकोनी जौनपुर
जिला संगठन मंत्री -राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विजय सिंह
मेसर्स वी. के. कंस्ट्रक्शन
सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर,रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

निरीक्षक प्रदीप यादव
थाना - कोतवाली नगर
सर्किल - नगर
जिला - अयोध्या
मोबाइल - 94503 83605

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर,रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

पंडित ऋषि शर्मा
समाजसेवी
अयोध्या, उत्तर प्रदेश

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर,रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता
देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र, जनपद अयोध्या

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर,रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

मनोज श्रीवास्तव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय केसरिया वाहिनी
मोबाइल - 9389577220

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर,रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

राजीव मेहता स्टेट हेड यूपी ईस्ट
बिगसेम सीमेंट (कनोडिया ग्रुप)
अयोध्या उत्तर प्रदेश मोबाइल - 80518 82299

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।